Minor Irrigation Schemes during 1962-63. Information with regard to grant and loan sanctioned to the Government of U.P. during 1962-63 for their agricultural Production schemes, including Minor Irrigation and Land Development, is, however, given below:—

Year	*Grant*	*Loan*
1962-63	Rs. 163·47 lakhs	Rs. 753·96 lakhs.

(b) According to the information received from the State Government, the anticipated expenditure on Minor Irrigation during 1962-63 is Rs. 758.04 lakhs.

भारतीय कृषि और भारतीय वन सेवा

१६४१. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि सेवा और भारतीय वन सेवा के अभी क्रमश: कुल कितने पदाधिकारी किन पदों पर हैं ;

(ख) इन में से कितने पदोन्नति और कितने प्रतियोगिता से आये हैं ; और

(ग) क्या कुछ खास ऐसे पद हैं, जो केवल इन सेवाओं के लिये सुरक्षित हैं, यदि हां, तो उनकी संख्या क्या है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) इस समय ऐसी कोई सेवायें नहीं हैं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता ।

(ग) प्रश्न ही नहीं होता ।

आलू गवेषणा केन्द्र

१६३२. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आलू गवेषणा केन्द्र कहां-कहां हैं ;

(ख) इन पर १९६२-६३ में कितना खर्च किया गया और अगले वर्ष कितना किया जायेगा ; और

(ग) गवेषणा केन्द्रों के लिये स्थान का चुनाव किस आधार पर किया जाता है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) १ जलन्धर (पंजाब), २. बाबूगढ़ (यू० पी०), ३. खेड, पूना (महाराष्ट्र), ४. अपर शिलांग (आसाम), ५. नीलगिरी (मद्रास), ६. पटना (बिहार), ७, कुफरी (हिमाचल प्रदेश), ८. मुक्तेश्वर (यू० पी०), और ९. शिमला (पंजाब) केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मुख्य कार्यालय के रूप में

	अनुमानित व्यय रुपये
(ख)	
राजस्व १९६२-६३ .	१२,३५,२४२
मूलधन १९६२-६३	२,११,०००
	बजट उपबन्ध
राजस्व १९६३-६४ .	१५,१६,३००
मूलधन १९६३-६४ .	४,५०,०००

(ग) भारत सरकार द्वारा १९४८ में नियुक्त की गई शिषज्ञ समिति ने सिफारिश की थी कि देश की भूमि तथा जलवायु सम्बन्धी परिस्थितियों में भारी अन्तर होने के कारण विभिन्न आलू उत्पादन करने वाले क्षेत्रों में प्रादेशिक आधार पर अनुसंधान किये जायें ताकि किये गये अनुसंधान तथा उन से उपलब्ध होने वाले परिणामों का राज्यों के कृषि विभागों के सहयोग से कृष्कों के खेतों में प्रनर्शन किया जाये ।

***दारव्हा-पुसद रेलवे लाइन**

१६३३. **श्री बे० शि० पाटिल** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करगे कि :

(क) क्या यह सच है कि *दारव्हा-पुसद नैरो गेज रेलवे लाइन बन्द कर दी गई है ;

*सदस्य द्वारा बाद में शुद्ध किया गया ।

(ख) यदि हां, तो क्यों और कब बन्द कर दी गई ; और

(ग) यह रेलवे फिर से कब चालू होगी ।

रेलवे मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सें० बें० रामस्वामी) : (क) शायद माननीय सदस्य का मतलब दारव्हा और पुसद के बीच की छोटी लाइन से है । यदि यह सही है तो उत्तर 'हां' में है ।

(ख) २७-१२-१९४० को यह लाइन सभी प्रकार के यातायात के लिये बन्द कर दी गयी और बाद में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान तात्कालिक सैनिक मांगों को पूरा करने के लिये इसे उखाड़ दिया गया । छोटी लाइन बन्द करने का कारण यह था कि यह सेक्शन घाटे में चल रहा था ।

(ग) इस लाइन को फिर से चालू करने के प्रस्ताव पर अभी कुछ समय पहले (१९५८ में) विचार किया गया था और इसे छोड़ दिया गया क्योंकि वित्तीय दृष्टि से इस लाइन को चालू करने का कोई औचित्य नहीं पाया गया ।

Telephone Exchange Buildings in Assam

1634. Shri R. Barua: Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether there is any plan for constructing new Telephone Exchange Buildings in Assam;

(b) if so, the places selected for these new bulidings and whether necessary lands are being acquired; and

(c) how long it will take Government to complete the proposed buildings?

The Deputy Minister in the Ministry of Transport and Communications (Shri Bhagavati): (a) Yes.

(b) Gauhati, Shillong, Dibrugarh and Imphal—Land is available at all these places. There is also a proposal under consideration for a building at Dergaon.

(c) The likely dates for completion of these buildings are under:—

(i) Gauhati—Dec. 1963.
(ii) Shillong—Dec. 1964.
(iii) Dibrugarh—March 1967.
(iv) Imphal—March 1966.
(v) Dergaon—Proposal is under consideration.

Detection of Ecotypes

1636. Shri Tan Singh: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether there is any proposal for research to be conducted by Karyological methods and experimental taxology for detecting ecotypes important for development arid zones;

(b) if so, the expenditure involved and result thereof; and

(c) whether there is any provision for experiments on plant dynamics and the incompatibilities between species?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) There is no proposal at the moment for research by Karyological methods nor is there any programme at present for experimental taxology for detecting ecotypes important for developing arid zones.

(b) Does not arise.

(c) Studies are being undertaken on plant dynamics; but not on the incompatibilities between species.

Central Arid Zone Research Institute

1637. Shri Tan Singh: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the number of climatological stations observing precipitation, air and soil temperature and soil moisture